

**अपकृत्य** पुं. (तत्.) विधि. संविदा से भिन्न वह अहित का कार्य जो अपराध की श्रेणी में तो नहीं आता, लेकिन न्यायालय वैसा करने वाले को क्षतिपूर्ति करने का आदेश दे सकता है।

**अपकृष्ट** वि. (तत्.) 1. जिसका किसी के द्वारा अपकर्षण हुआ हो 2. जिसे बुरी तरह या इच्छा के विपरीत खींचकर ले जाया गया हो 3. निकृष्ट।

**अपकेंद्रण** पुं. (तत्.) (केंद्रित होने की बजाए) विकेंद्रित होने की प्रक्रिया, केंद्रापसारी होना।

**अपकेंद्र बल** पुं. (तत्.) भौति. 1. भौतिकशास्त्र के अनुसार वह बल जो किसी चीज को केंद्र से विपरीत दिशा की ओर प्रवृत्त करता है 2. केंद्रापसारी बल विलो. केंद्राभिसारी बल, अभिकेंद्र बल।

**अपकेंद्रित्र** पुं. (तत्.) तीव्र गति से घूमने वाला यंत्र जो विविध घनत्व वाले पदार्थों को प्रक्षेपित (अलग-अलग फेंक) कर देती है।

**अपकेंद्री बल** पुं. (तत्.) दे. अपकेंद्री बल।

**अपक्रम** पुं. (तत्.) 1. व्यतिक्रम, क्रम-भंग, उलट-पलट, पीछे हटना 2. समय का बीतना, व्यतीत होना वि. (तत्.) अव्यवस्थित, क्रमविहीन।

**अपक्रमण** पुं. (तत्.) [अप+क्रमण] अपक्रम करने की क्रिया 1. पलायन 2. (सेना का) पीछे हट जाना 3. निकल भागना 4. बचकर निकलने की क्रिया।

**अपक्रमी** वि. (तत्.) 1. अपक्रम करने वाला 2. पलायन करने वाला 3. निकल कर भागने वाला।

**अपक्रिया** स्त्री. (तत्.) 1. दूषित क्रिया, बुरी क्रिया 2. अनुचित व्यवहार।

**अपक्व** वि. (तत्.) 1. जो पूरी तरह पका न हो, कच्चा, असिद्ध 2. जिसके विचारों में दृढ़ता और स्थिरता न हो।

**अपक्वता** स्त्री. (तत्.) [अपक्व+ता] 1. (किसी वस्तु आदि) के पकने होने की स्थिति, भाव या गुण 2. कच्चेपन की स्थिति 3. अविकसित होने

की स्थिति, विकासहीनता जैसे- शारीरिक अपक्वता या मानसिक अपक्वता।

**अपक्ष** पुं. (तत्.) 1. जो (राज्य के) पक्ष में न हो, विपक्ष 2. जो न समर्थन में हो न विरोध में, तटस्थ, निष्पक्ष वि. (तत्.) पंखहीन, पंखविहीन 2. निष्पक्ष।

**अपक्षपण** पुं. (तत्.) दे. अपक्षय।

**अपक्षपात** वि. (तत्.) [अ+पक्षपात] 1. जो पक्षपात से रहित हो 2. जो कार्य किसी प्रश्न, दल या व्यक्ति से संबंधित न हो 3. निष्पक्षतायुक्त।

**अपक्षपाती** वि. (तत्.) [अ+पक्षपाती] 1. जो पक्षपात (किसी भी तरफ़दारी) करने वाला न हो 2. निष्पक्ष, तटस्थ 3. बिना किसी का पक्ष लिए न्याय करने वाला।

**अपक्षय** पुं. (तत्.) 1. हास, नाश 2. मौसम या वातावरण या प्राकृतिक कारणों से दुष्प्रभावित होने से किसी वस्तु में आई विकृति weathering 3. शारीरिक, मानसिक या नैतिक अवस्था का अपहास degeneration 4. मृदा का निम्नीकरण।

**अपक्षरण** पुं. (तत्.) हिम-नदियों के हिम के पिघलने अथवा वाष्प न होने या खंडित होने आदि से उसके आकार, परिमाण या मात्रा का कम हो जाना।

**अपक्षेपण** पुं. (तत्.) 1. फेंकना 2. गिरना, च्युत करना, बिखराना 3. पलटना।

**अपखंड** पुं. (तत्.) [अप+खंड] 1. किसी ठोस वस्तु का टूटा हुआ टुकड़ा या भाग, जैसे- शिला का अपखंड 2. किसी विनष्ट हुई वस्तु का अंश या टुकड़ा, जैसे- दीवार का अपखंड 3. अधूरा या अपूर्ण भाग।

**अपग** वि. (तत्.) 1. बुरे मार्ग पर जाने वाला 2. निषिद्ध या अशिष्टाचरण करने वाला कुमार्गी 3. जिसके पैर न हों या जो बिना पैर का हो। पगरहित।

**अपगत** वि. (तत्.) 1. बीता हुआ 2. गया हुआ 3. समाप्त।